

**सकारात्मक वि.** (तत्.) 1. सहमति या स्वीकृति का सूचक कथन या उत्तर, जिसका उत्तर हाँ में हो 2. जिसका कोई निश्चित मान या स्थिर स्वरूप हो, निश्चयी गणि. धनात्मक।

**सकारी पुं.** (तत्.) वाणि. हुंडी या किसी विनिमय पत्र को सकारने वाला व्यक्ति आदि वह व्यक्ति जिसके नाम हुण्डी आदि लिखी गई हो। drawee

**सकारे अव्य.** (देश.) 1. प्रातःकाल, सबेरे, तडके, प्रभात में 2. निर्धारित समय से कुछ पहले, जल्दी।

**सकालत स्त्री.** (अर.) 1. गरिष्ठ होने की अवस्था या भाव, गरिष्ठता 2. भारीपन, गुरुता।

**सकाली स्त्री.** (देश.) मछली, मीन, मत्स्य।

**सकाश अव्य.** (तत्.) 1. पास, नजदीक, समीप, निकट 2. पड़ोस 3. उपस्थिति।

**सकिया स्त्री.** (देश.) एक प्रकार की बड़ी गिलहरी जिसके पंजे काले होते हैं।

**सकिलना क्रि.** (देश.) 1. फिसलना, सरकना 2. सिकुड़ना, सिमटना 3. किसी कार्य को करने में समर्थ होना 4. कार्य पूरा होना।

**सक्रिय वि.** (तत्.) 1. क्रियायुक्त, क्रियाशील, क्रियात्मक 2. फुर्तीला, कर्मठ 3. गतिशील, भ्रमणशील।

**सकीन पुं.** (देश.) एक विशेष प्रकार का जंतु।

**सकील वि.** (अर.) 1. जो जल्दी हजम न हो, गरिष्ठ, भारी, वजनदार 2. वह पुरुष जो यौन निर्बलता के कारण अपनी स्त्री को स्वयं संभोग करने के पहले पर पुरुष के पास भेजता है।

**सकुच पुं.** (तत्.) 1. संकोच, लज्जा, संकुचित।

**सकुचाना क्रि.** (तद्.) 1. संकोच करना, लज्जा करना, शर्माना 2. संकुचित होना, सिकुड़ना 3. फूलों का बंद होना या संपुटित होना।

**सकुन पुं.** (तद्.) 1. पक्षी 2. चिड़िया।

**सकुनी स्त्री.** (तद्.) चिड़िया, चील पुं. दुर्योधन का मामा, शकुनि।

**सकुल वि.** (तत्.) 1. उत्तम कुल, उच्च वंश से संबंध रखने वाला 2. एक ही परिवार का 3. सपरिवार।

**सकुलज वि.** (तत्.) एक ही कुल में उत्पन्न।

**सकुला पुं.** (तत्.) बौद्ध भिक्षुओं का नेता, सरकार।

**सकुलादनी स्त्री.** (तत्.) कुटकी, महाराष्ट्र या मेरठी नाम की लता।

**सकुली स्त्री.** (तत्.) सौरी मछली, एक प्रकार की मछली।

**सकुल्य वि.** (तत्.) 1. एक ही कुल में उत्पन्न, सगोत्र 2. एक ही गोत्र का परंतु दूर का रिश्तेदार।

**सकूकर दे.पुं.** (तत्.) गोह की तरह का लाल रंग का एक जंतु, इसे रेत की मछली या रेगमाही भी कहा जाता है, स्थानीय लोग इसका मांस खाते हैं जो शक्तिवर्धक माना जाता है।

**सकूतरा पुं.** (तत्.) अफ्रीका के पूर्वी तट के समीप एक द्वीप।

**सकूनत स्त्री.** (अर.) निवास स्थान, निवास, ठहरने का स्थान।

**सकृत अव्य.** (तत्.) 1. एक बार, किसी समय 2. शीघ्र, फौरन, तत्काल 3. सदा, सर्वदा **स्त्री.** 1. मल, विष्ठा पुं. 1. पुण्य कर्म।

**सकृत्प्रज पुं.** (तत्.) कौआ, काक **वि.** जिसका एक ही बच्चा हो।

**सकृत्प्रजा स्त्री.** (तत्.) 1. शेरनी 2. वंध्या रोग, बाँझपन।

**सकृत्फल वि.** (तत्.) जो एक ही बार फलता हो जैसे- केला।

**सकृत्सू वि.** (तत्.) स्त्री, जिसने अभी बालक प्रसव किया हो।

**सकृदागामी मार्ग पुं.** (तत्.) बौद्धमत के अनुसार एक प्रकार का धार्मिक मार्ग, जिसमें जीव केवल एक बार जन्म लेकर मोक्ष प्राप्त करता है।